

21 जुलाई, 2023
सावन, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी
संवत् 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

शुक्रवार, वर्ष 08, अंक 271

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

राजस्थान में शव रख कर प्रदर्शन पर 5 साल तक जेल, परिजन ने डेड बॉडी नहीं ली, तो भी एक साल की सजा



मणिपुर के वायरल वीडियो ने देश को हिला दिया

मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने वाला वायरल वीडियो ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। किसी को अपनी आंखों पर भरोसा नहीं हो रहा।

आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की जा रही है। सबसे आश्चर्य की बात है कि घटना के 48 दिन बाद एफआइआर और 77 दिन बाद गिरफ्तारी हुई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मणिपुर मामले पर टिप्पणी की, तो कांग्रेस ने निशाना साधा। इस मुद्दे को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में मानसून सत्र

के पहले दिन हंगामा हुआ और कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गयी। उधर, कोर्ट ने मामले पर नाराजगी जाहिर करते हुए सख्त टिप्पणी की है।

मैं क्रोध से जल रहा : मोदी 140 करोड़ देशवासी शर्मसार हुए

आजाद सिपाही संवाददाता नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद का सत्र शुरू होने से पहले अपना वक्तव्य रखा। इसमें उन्होंने मणिपुर मामले का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं इस लोकतंत्र के मॉडल के पास खड़ा हूँ, तब मेरा हृदय पीड़ा से भरा हुआ है। क्रोध से भरा हुआ है। मणिपुर की जो घटना सामने आयी है, किसी भी सभ्य समाज के लिए ये शर्मसार करनेवाली घटना है। पाप करनेवाले, गुनाह करनेवाले कितने हैं, कौन हैं, वह अपनी जगह पर है, लेकिन बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। इससे 140 करोड़ देशवासियों को



शर्मसार होना पड़ रहा है। मैं सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह करता हूँ कि वे अपने राज्य में कानून व्यवस्थाओं को और मजबूत करें। खासकर हमारी माताओं और बहनों की रक्षा के लिए कठोर से

कठोर कदम उठावें। घटना चाहे राजस्थान की हो, घटना चाहे छत्तीसगढ़ की हो, घटना चाहे मणिपुर की हो। इस देश में हिंदुस्तान के किसी भी कोने में, किसी की भी राज्य सरकार में राजनीतिक वाद-विवाद से ऊपर उठ कर के कानून व्यवस्था का महत्त्व, नारी का सम्मान जरूरी है। उन्होंने कहा कि मैं देशवासियों को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि किसी भी गुनहवार को बख्शा नहीं जायेगा। कानून अपनी पूरी शक्ति से, पूरी सख्ती से एक के बाद एक कदम उठायेगा। मणिपुर की बेटियों के साथ जो हुआ है, इसको कभी माफ नहीं किया जा सकता है।

48 दिन बाद एफआइआर 77 दिन बाद हुई गिरफ्तारी

मणिपुर। मणिपुर की घटना 4 मई को हुई, जबकि इसकी एफआइआर करीब डेढ़ महीने बाद 21 जून को दर्ज हुई। वहीं गुरुवार सुबह मामले में पहला आरोपी गिरफ्तार हुआ है। एक ओर जहां इस घटना की देशभर में निंदा की जा रही है, वहीं अब इसको लेकर कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। यह घटना राजधानी इम्फाल से लगभग 35 किलोमीटर दूर कांगपोकपी जिले के गांव वी. फ्रीमन में हुई। पुलिस बल से महिलाओं को छीना गया। भीड़ के सामने निर्वस्त्र कर दिया गया। घटना से जुड़े वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पुरुष असहाय महिलाओं के साथ लगातार छेड़छाड़ कर रहे हैं। एक 21 साल की लड़की का दिनदहाड़े बेरहमी से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। जब 19 वर्षीय छोटे भाई अपनी बहन को बचाने आया, तो भीड़ ने उसकी हत्या कर दी।

सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान सरकार सख्त कदम उठाये, नहीं तो हम उठायेंगे : चीफ जस्टिस

आजाद सिपाही संवाददाता नयी दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न कर घुमाने के मामले का सुप्रीम कोर्ट ने भी संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि मणिपुर में महिलाओं के साथ जो हुआ, वह पूरा तरह अस्वीकार्य है। सरकार इस पर तुरंत कार्रवाई करे। कोर्ट ने कहा कि अगर सरकार इस पर कार्रवाई नहीं करती है तो हम करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सांप्रदायिक टकराव के क्षेत्र में महिलाओं को किसी चीज की तरह इस्तेमाल करना संविधान का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि



घटना का जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह काफी परेशान करने वाला है। सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा कि हम सरकार को थोड़ा समय दे रहे हैं। अगर आगे जमीन पर कुछ नहीं होता है, तो हम खुद कार्रवाई करेंगे।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष का हंगामा

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। मणिपुर हिंसा को लेकर मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा किया। लोकसभा में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही पूरे दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। वहीं, मणिपुर हिंसा पर नियम 267 के तहत चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्षी दलों के हंगामे के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गयी।

मैं खुश हूँ कि पीएम ने चुप्पी तो तोड़ी : शशि थरूर

उधर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि हम खुश हैं कि आधिकारिक पीएम नरेंद्र मोदी ने मणिपुर हिंसा पर अपनी चुप्पी तो तोड़ी।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य की समीक्षा की, दिये कई दिशा-निर्देश सभी प्रमंडल में 24x7 हेल्थ केयर सर्विसेज शुरू करें : हेमंत सोरेन

● पलामू और हजारीबाग मेडिकल कॉलेज और रिम्स में छात्रावास का निर्माण कर रही कंस्ट्रक्शन कंपनी को टर्मिनेट किया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य में स्ट्रॉंग हेल्थ सिकिटी बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। यहां के अस्पतालों में जांच और इलाज की बेहतर और आधुनिक सुविधाएं सुनिश्चित की जायें। उन्होंने कहा कि सभी प्रमंडल के सदर अस्पतालों में इलाज और जांच की अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त 24-7 हेल्थ केयर सर्विसेज शुरू करें। इसकी शुरुआत दुमका से होगी। 300 बिस्तर की क्षमता वाले इस अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ जांच-इलाज के सभी अत्याधुनिक संसाधन होंगे। यहां सभी चिकित्सकों और पारा मेडिकल कर्मियों की शिफ्ट में ड्यूटी लगायी जाये, ताकि मरीजों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। मुख्यमंत्री गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के क्रम में बोल रहे थे। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री बनना गुप्ता, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह,



विकित्सकों की नियुक्ति में तेजी लाने का निर्देश हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्यवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें, इसके लिए चिकित्सकों और अन्य पारा मेडिकल कर्मियों की नियुक्ति में तेजी लायें। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यकतानुसार अनुबंध पर भी चिकित्सकों को नियुक्त करें, ताकि किसी भी परिस्थिति में स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित नहीं हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की पंचायत स्तर दवा दुकान की योजना के तहत जल्द से जल्द और ज्यादा से ज्यादा पंचायतों में दवा दुकान खोलने की प्रक्रिया तेज हो। उन्होंने कहा कि जो भी पारा मेडिकल में प्रशिक्षित हैं, उन्हें भी इस योजना संचालन से जोड़ने की पहल करें।

मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वंदना दादेल समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। आयुष्मान भारत के मरीजों के इलाज में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत के तहत मरीजों के इलाज में अस्पतालों द्वारा कोताही बरतने की बात लगातार सामने आ रही है। यह कदापि उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत के तहत अस्पतालों की लांबत राशि का भुगतान जल्द से जल्द सुनिश्चित करें, ताकि मरीजों के इलाज में अस्पताल कोताही नहीं बरतें। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना के तहत इलाज की पात्रता के लिए आयुष्मान कार्ड और राशन कार्ड अगर किसी के पास नहीं है, तो 8 लाख रुपये से कम वार्षिक आय वालों को भी इस श्रेणी में शामिल किया जाये।

निर्माण कार्य में अब और विलंब बर्दाश्त नहीं : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में कई वर्षों से निर्माण कार्य चल रहा है। इसमें पहले ही से काफी विलंब हो चुका है। अब विलंब बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। जो डेडलाइन तय की गयी हैं, उसके अंदर सभी निर्माण पूरे हो जाने चाहिए। उन्होंने पलामू और हजारीबाग मेडिकल कॉलेज तथा रिम्स में छात्रावास का निर्माण करा रही कंस्ट्रक्शन कंपनी को टर्मिनेट करने का भी निर्देश दिया।

एंबुलेंस का परिचालन सुनिश्चित हो : मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में 206 एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ किया गया था। कुछ कारणों से कई एंबुलेंस के नहीं चलने की बात सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि सभी 206 एंबुलेंस का नियमित और सुचारु परिचालन अविचल सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि बारिश के शुरू होते ही सर्पदंश के कई मामले सामने आ रहे हैं। मैंने पहले ही सभी अस्पतालों में सर्प दंश के मरीजों के इलाज और दवा की पुख्ता व्यवस्था करने का निर्देश दिया था। फिर भी अब तक 45 से ज्यादा सर्पदंश से मौत की बातें सामने आ चुकी हैं। यह चिंताजनक है। उन्होंने विभाग को कहा कि जहां सर्प दंश से मौतें हुई हैं, वहां के संबंधित चिकित्सकों को शो-कांज जारी किया जाये।

नक्सलियों ने पांच ग्रामीणों को पीटा, एक की मौत

नक्सलियों ने मुखबिरी के आरोपी में डंडे से की पिटाई

आजाद सिपाही संवाददाता महुआटाड़। लातेहार जिले में एक बार फिर नक्सलियों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया है। जिले के नेतरहाट थाना क्षेत्र की दुरूप पंचायत के पुरानडीह और दौना गांव के पांच ग्रामीणों को पुलिस मुखबिरी का आरोप लगा कर भाकपा माओवादी के नक्सलियों ने जम कर लाठी-डंडे से पिटाई की। नक्सलियों की पिटाई से दौना गांव के रहनेवाले देव कुमार प्रजापति की मौत हो गयी। नक्सलियों ने देव कुमार प्रजापति को करीब डेढ़ घंटे तक जम कर पिटाई की थी। इसके

बाद उसे अधमरा छोड़ चले गये। परिजन देव कुमार प्रजापति को जैसे ही घर लाये उनकी मौत हो गयी। घटना की जिम्मेवारी कोयल शंख जोन ने स्कूल की दीवार पर लिख कर ली है। ग्रामीणों ने बताया कि नक्सली सबसे पहले पुरानडीह गांव पहुंचे थे। यहां पति वृजिया और बबलू अंसारी के साथ लाठी डंडे से मारपीट की। इसके बाद दौना गांव पहुंच कर मनराज प्रजापति, भूषण मुंडा के साथ मारपीट की। दोनों को मारपीट करने के बाद उसी गांव के देव कुमार प्रजापति के साथ जम कर लाठी डंडे से मारपीट की, जिससे उनकी मौत हो गयी। घटना के बाद से पूरा गांव दहशत में है।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार रात हथियारबंद नक्सली दौना गांव पहुंचे। नक्सली कुछ ग्रामीणों को ढूंढ़ रहे थे। इस दौरान नक्सलियों ने दो गांव के पांच लोगों को पकड़ कर जम कर पिटाई कर दी। ग्रामीणों की मानें तो दो दिन पूर्व नक्सली गांव में आये थे और कुछ ग्रामीणों को ढूंढ़ रहे थे। हालांकि उस समय ग्रामीण नक्सली के हाथ नहीं आये, जिस कारण नक्सली गांव से वापस लौट गये थे। बुधवार देर रात नक्सली एक बार फिर गांव में आ धमके और पांचों ग्रामीणों को पकड़ कर जम कर पिटाई कर दी। इस घटना के बाद पूरे गांव तथा आसपास के इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

चतरा में माओवादियों ने जेसीबी को किया आग के हवाले

चतरा (आजाद सिपाही)। चतरा में एक बार फिर नक्सलियों के हथियारबंद दस्ते ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए जेसीबी को आग के हवाले कर दिया। लावालींग प्रखंड स्थित दूनगुण गांव में देर रात घटना को अंजाम दिया गया है। जिस जेसीबी में माओवादियों ने आग लगायी है, वह दूनगुण गांव के संवेदक शंकर साव की है। जानकारी के अनुसार हथियारबंद दस्ते में शामिल लोगों ने जेसीबी जला कर लौटते समय ग्रामीणों को अपने आप को भाकपा माओवादी बताया है।

एनआइए कोर्ट में पेश किया गया फैजान अंसारी को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजने का दिया आदेश

आजाद सिपाही संवाददाता रांची/लोहरदगा। लोहरदगा से गिरफ्तार किये गये आइएसआइएस के आतंकी फैजान अंसारी को एनआइए कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। उसे गुरुवार को एनआइए कोर्ट में पेश किया गया। बता दें कि फैजान अंसारी को बुधवार को गिरफ्तार किया

गया है। वह डार्क नेट के माध्यम से देश-विदेश के आइएसआइएस एजेंटों के संपर्क में था। एनआइए ने उसके पास से कई डिजिटल साक्ष्य जब्त किये हैं, जिससे उसके आइएसआइएस से संपर्क में होने की पुख्ता जानकारी मिली है। फैजान लोहरदगा में पिछले दो महीनों से रह रहा था और अपने घर से ही इस्लामिक जिहाद को लेकर सक्रिय था। एनआइए की टीम उस पर पिछले एक सप्ताह से नजर रख रही थी। आइएसआइएस के स्लीपर सेल होने की पुख्ता जानकारी हासिल करने के बाद ही

उसे गिरफ्तार किया गया। उसके पिता फिरोज अंसारी बीएसएनएल में कांटेक्ट कर्मचारी हैं। फैजान मूल रूप से बिहार का रहनेवाला है। जानकारी के अनुसार फैजान दो साल पहले लोहरदगा से अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी पढ़ने गया था। पढ़ाई के दौरान ही वह आइएसआइएस के संपर्क में आया था। इसकी जानकारी खुद फैजान अंसारी ने दी। एनआइए की टीम ने फैजान अंसारी के लैपटॉप की तलाशी ली, तो उसमें से कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किये गये।

KUNDAN MARBLE & SANITATIONS

HOUSE OF :
Marbles, Tiles Granites, Kota
Cuddappa & Sanitary Ware
Contact for 4.5", 6" Boring

KUNDAN MARBLE & SANITATIONS
Near Holiday Home, Kanke Road, Ranchi-834008
E-mail : kundanmarble@gmail.com
Contact : 9334471800, 9472760801, 9334671802



अब चिंताजनक ही नहीं, शर्मनाक हो गये हैं मणिपुर के हालात

- अभी नहीं चेतते, तो खतरे में पड़ जायेगी देश की एकता और अखंडता
- चिंता जताने से नहीं होगा, अब जमीन पर उतर कर करना होगा काम
- पूरे देश को उठानी होगी वहां की स्थिति सामान्य करने की जिम्मेवारी

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है। 3 मई से शुरू हुई जातीय हिंसा में डेढ़ सौ से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, आगजनी की चार हजार से अधिक घटनाएं हुई हैं और 60 हजार लोग पलायन कर चुके हैं। इधर गुरुवार को वहां का एक वीडियो वायरल हुआ है, जो शर्मनाक ही नहीं, भयावह है। करीब 30 लाख की आबादी वाला यह छोटा सा खूबसूरत प्रदेश जातीय और धार्मिक हिंसा की आग में इस तरह जल रहा है, इसकी कल्पना नहीं की गयी थी। इस वीडियो के



रकेश सिंह

पर ही सारे कुकृत्य हो रहे हैं। विपक्ष हालात कंट्रोल नहीं कर पाने के लिए केंद्र को भी जिम्मेदार ठहरा रहा है। उसने मुख्यमंत्री एन बीरन सिंह को हटाने की मांग की है। विपक्ष की मांग मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की भी है। इधर आदिवासी संगठनों का कहना है कि राजधानी इंफाल में प्रदर्शन कर महिलाओं और बच्चों पर हुए अत्याचार के कई और सबूत पेश किये जायेंगे। सबूत, कार्रवाई, हिंसा के बीच बड़ा सवाल है कि मणिपुर में स्थिति नियंत्रण में क्यों नहीं आ रही है।

मणिपुर में मेटई-कुकी की हिंसक लड़ाई के बीच दो महिलाओं की यौन प्रताड़ना के वीडियो ने पूरे देश में भूचाल ला दिया है। वीडियो वायरल होने के बाद मणिपुर में तनाव का माहौल है। यह वीडियो 4 मई का बताया जा रहा है, जिसमें हथियारबंद भीड़ एक महिला को निर्वस्त्र कर अपने कब्जे में लेकर जा रही है। भीड़ में शामिल लोग महिला के निजी अंगों से छेड़छाड़ कर रहे हैं और महिला रहम की भीख मांग रही है। मणिपुर में 3 मई से जारी हिंसा में अब तक डेढ़ सौ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 50 हजार से ज्यादा लोग घायल हैं। हिंसा रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से अब तक कई प्रयास किये गये, लेकिन वहां के बिगड़े हालात ने सब पर पानी फेर दिया है। सेना की तैनाती और देखते ही गोली मारने के आदेश के बावजूद मणिपुर में हो रही हिंसा ने शासन-प्रशासन पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

मणिपुर हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सरकार को दी हिदायत

मणिपुर हिंसा और उसके बाद सामने आये वीडियो पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। चीफ जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ ने कहा कि यह संवैधानिक अपमान है। अगर सरकार मणिपुर हिंसा के इस मामले में ठोस कार्रवाई करने से विफल रहती है, तो हम हस्तक्षेप करेंगे। चंद्रचूड़ ने कहा कि हिंसा के वक्त महिलाओं को साधन बनाना अस्वीकार्य है। हम केंद्र और राज्य को नोटिस जारी कर रहे हैं कि इस मामले में अपना जवाब दखिल करे।

पीएम मोदी ने भी भर्त्सना की

मणिपुर वीडियो पर प्रधानमंत्री ने भी गहरा दुख और गुस्सा व्यक्त किया है। संसद के बाहर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह घटना देश को शर्मसार करनेवाली है। 140 करोड़ लोगों का अपमान हुआ है। जो भी मामले में दोषी होंगे, वे बख्शे नहीं जायेंगे।

सामने आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और समाज का लगभग हर तबका स्तब्ध है, गुस्से में है। हर कोई मणिपुर के इस शर्मसार करनेवाले वीडियो में दिख रहे दोषियों के लिए मौत की सजा की मांग कर रहा है।

आजाद सिपाही विशेष

करना पूरे देश की जिम्मेवारी है। यह वीडियो ढाई महीने पुराना है, लेकिन इसमें दिख रहे दोषी अब तक छुट्टा भूम रहे

लेकिन इस वक्त सबसे जरूरी है इस मुद्दे को राजनीति से दूर रखना। हर किसी को समझना होगा कि मणिपुर की स्थिति को सामान्य

हैं। इस बात में कोई संदेह नहीं कि इस शर्मनाक कृत्य के दोषी लोग कम से कम इंसान कहलाने के काबिल नहीं हैं, वे भारतीय तो नहीं ही हैं। इसलिए इनके खिलाफ अब तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। कानून भी है कि यदि कोई जानवर हिंसक हो जाता है, तो उसे गोली मार दी जाती है। मणिपुर के दरिदों के साथ भी यही किया जाना चाहिए। मणिपुर की इस भयावह घटना का विश्लेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



हालात पर काबू पाने के लिए अब तक क्या-क्या हुआ

मणिपुर में ढाई महीने से जारी हिंसा पर नियंत्रण के लिए अब तक कई कदम उठाये गये हैं। सेना के साथ-साथ केंद्रीय बलों की तैनाती के बावजूद स्थिति सुधर नहीं रही है। हिंसा शुरू होने के बाद सेना और केंद्रीय बलों के 40 हजार जवानों को मणिपुर के हिंसाग्रस्त इलाकों में तैनात किया गया है। हिंसा रोकने के लिए जगह-जगह पर चेक पोस्ट बनाये गये हैं। मणिपुर हिंसा पर रोक लगाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह भी तीन बैठकें कर चुके हैं। 29 मई को शाह ने पहली बैठक राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरन सिंह के साथ की थी। इस बैठक में

हालात पर काबू पाने के लिए राज्य सरकार से सख्त कदम उठाने के लिए कहा गया था। शाह ने दूसरी बैठक 24 जून को की थी। इसमें सभी दलों के नेताओं को बुलाया गया था और जरूरी कदम उठाये जाने का आश्वासन दिया गया था। शाह ने सर्वदलीय बैठक से पहले मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरन सिंह से पूरी स्थिति पर रिपोर्ट ली थी। तीसरी बैठक 26 जून को गृह मंत्री शाह ने प्रधानमंत्री के साथ की थी। इसमें शाह ने प्रधानमंत्री को पूरी रिपोर्ट सौंपी थी।

हिंसा रोकने के लिए राष्ट्रपति शासन विकल्प है

विपक्ष हिंसा रोकने के लिए राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग कर रहा है। विपक्ष का आरोप है कि राज्य सरकार हिंसा रोकने में पूरी तरह विफल हो गयी है। मणिपुर में बदतर हालात के लिए मुख्यमंत्री बीरन सिंह जिम्मेदार हैं। विपक्ष का आरोप है कि राज्य सरकार हिंसा में अर्न्तभ्रज बन गयी है और उसकी प्रतिबद्धताओं में कमी है। अगर यह सही हो जाये, तो हिंसा आसानी से थम जायेगी।

हालात पर काबू पाने के लिए राज्य सरकार से सख्त कदम उठाने के लिए कहा गया था। शाह ने दूसरी बैठक 24 जून को की थी। इसमें सभी दलों के नेताओं को बुलाया गया था और जरूरी कदम उठाये जाने का आश्वासन दिया गया था। शाह ने सर्वदलीय बैठक से पहले मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरन सिंह से पूरी स्थिति पर रिपोर्ट ली थी। तीसरी बैठक 26 जून को गृह मंत्री शाह ने प्रधानमंत्री के साथ की थी। इसमें शाह ने प्रधानमंत्री को पूरी रिपोर्ट सौंपी थी।

क्या है हिंसा का कारण

मणिपुर इतना अशांत क्यों है, इसका कारण समझने के लिए इतना ही जानना काफी है कि इस अशांति की वजह इस इलाके में चल रहे धर्मांतरण के खेल और नशीली दवाओं के नेटवर्क के खिलाफ हाल के दिनों में शुरू किये गये अभियान हैं। राज्य में इसी साल की शुरुआत में

विधानसभा के चुनाव हुए और एन बीरन सिंह के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। इस सरकार ने राज्य में धर्मांतरण करा रहे धार्मिक संगठनों और नशीली दवाओं के कारोबार से जुड़े नेटवर्क पर कार्रवा प्रहार करना शुरू किया। उसके बाद मई की शुरुआत से मणिपुर में जातीय संघर्ष शुरू हो गया। प्रत्यक्ष तौर पर मई के पहले सप्ताह में मेटई समुदाय को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल करने पर विचार करने के कदम के विरोध में जनजातीय कुकी समुदाय की एक रैली के बाद हिंसा फैली। 3 मई को यह रैली मणिपुर के सभी पहाड़ी जिलों में निकाली गयी थी। इसके बाद सुनियोजित ढंग से मणिपुर के व्यापक क्षेत्रों में हिंसा फैलती गयी। हिंसा प्रभावित मुख्य इलाके तोरबंग बांग्ला, चुराचांदपुर,

कांगपोकपी और तेंगनौपाल हैं। इन जिलों के सभी मेटई बसावट वाले क्षेत्रों, गांवों, पहाड़ी और घाटी जिलों के आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई।

लेकिन अब इस स्थिति पर काबू पाना जरूरी है, क्योंकि यह बीमारी कैसर की तरह फैल रही है। इस भयावह वीडियो में दिख रहे दोषियों को अब ज़िंदा रहने का कोई हक नहीं है। इनके लिए जानवर शब्द भी कम है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि मणिपुर की समस्या केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक है और उसे उसी तरह हल करना होगा। इसलिए सभी राजनीतिक दलों और सरकारों को एकजुट होकर इस बड़ी साजिश के खिलाफ खड़ा होना होगा, वरना देश की एकता और अखंडता को खतरा हो सकता है।

क्या करना चाहिए

वीडियो में मणिपुर की जो वीभत्स घटना वायरल हो रही है, वह कानून की नजर में रेयरेस्ट ऑफ रेयर है। रेयरेस्ट ऑफ रेयर की सजा सिर्फ और सिर्फ फांसी है। वीडियो में चेहरे भी साफ दिखाई पड़ रहे हैं। इस पर विशेष कदम उठाया जाना चाहिए। दोषियों को बीच चौराहे पर फांसी देनी चाहिए। मणिपुर में सेना के जवान भी आखिर क्या कर रहे हैं। उनके हाथ में हथियार हैं। आखिर इन हथियारों का इस्तेमाल क्या सिर्फ उस समय होगा, जब उन पर आक्रमण होगा। जब खुलेआम उग्रवादी जनता का कत्ल कर रहे हैं, तो उन्हें गोली क्यों नहीं मारी जा रही है। मणिपुर पुलिस की पूरे देश में थू-थू हो रही है। वायरल वीडियो में जिन महिलाओं के साथ अत्याचार की बात सामने आ रही है, उन्हें भीड़ ने पुलिस के हाथ से

ही छीना था। आखिर यह कैसी मणिपुर पुलिस है कि अपनी जान बचाने की खातिर पुलिस की शरण में आयी महिलाओं को उग्र भीड़ ने छीन लिया और पुलिस चुपचाप लौट गयी। डेढ़ माह बाद जीरो एफआइआर दर्ज करने का क्या मतलब। आखिर ऐसा कर पुलिस किसे बचा रही थी।

आपात स्थिति में ही सेना का इस्तेमाल हो रहा है। अगर राज्य सरकार से स्थिति नहीं संभल रही है, तो कुछ दिनों तक वहां राष्ट्रपति शासन लगा कर स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सकता है। जब स्थिति सुधर जाये, तो वहां फिर से चुनी हुई सरकार को बैठाया जा सकता है। देश के तमाम राजनीतिक दलों को बयानबाजी बंद कर समाधान खोजना चाहिए। यह सिर्फ मणिपुर राज्य सरकार के लिए ही नहीं, केंद्र सरकार के लिए ही नहीं, देश के तमाम राजनीतिक दलों को बयानबाजी बंद कर संगठित होकर मणिपुर जायें। एक साथ जायें, एक मंच पर बैठें। एक साथ अपील करें। एक साथ चेतावनी दें। जब लोग रहेंगे तो राजनीति होगी, बयानबाजी भी होगी। अपने दल के लिए तो सभी जाते हैं, कम से कम एक बार मणिपुर की जनता के लिए तो देश के तमाम राजनीतिक दल आपसी मतभेद भुला कर मणिपुर जायें और उनके सुख-दुख में शामिल हों।

सीएम बतायें किस नियोजन नीति के तहत 26001 पदों पर होगी नियुक्ति: भानु प्रताप

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। झारखंड में सहायक आचार्य के लिए 26001 पदों पर नियुक्ति के लिए निकाली गयी वेकेंसी को लेकर भाजपा ने हेमंत सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। भाजपा के भवनाथपुर विधायक भानु प्रताप शाही ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सरकार पहले यह बताये कि इतनी संख्या में होनेवाली बहाली किस नियोजन नीति के तहत होगी। राज्य के युवा मुख्यमंत्री से यह जानना चाहते हैं कि यह बहाली 1932, 1985 या फिर 60-40 वाली नीति पर होगी। अगर सरकार 60-40 वाली नीति के तहत परीक्षा ले रही है, तो वह बाहरियों के लिए द्वार खोल रही है। **बीएड पास 8 लाख अभ्यर्थी परीक्षा देने से हो जायेंगे वंचित** : विधायक ने कहा कि बहाली के लिए निकाले गये विज्ञापन में कई त्रुटियां हैं। पहला तो यह स्पष्ट नहीं है कि किस नियोजन नीति से बहाली होगी, दूसरा यह कि ऐसी



शर्तें लगायी गयी हैं कि सिर्फ टेट पास अभ्यर्थी ही परीक्षा दे पायेंगे, ऐसे में बीएड और बीएलएड किये हुए राज्य के करीब 8 लाख अभ्यर्थी टेट पास नहीं होने के कारण परीक्षा से वंचित हो जायेंगे, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बहालियों में भी त्रुटिकरण की पराकाष्ठा कर दी है। कुछ दिन पहले अल्पसंख्यक स्कूलों में टेट पास अभ्यर्थियों की सूची बहाली हुई, लेकिन सामान्य स्कूलों में बहाली के लिए टेट पास अभ्यर्थियों की परीक्षा देनी होगी। **1932 हेमंत के लिए संकल्प नहीं**

सीआइडी ने सीजेएम की कोर्ट से लिया आठ आरोपियों के खिलाफ वारंट

रांची (आजाद सिपाही)। पिछले वर्ष 10 जून को रांची में हुई हिंसा केस से जुड़े आठ आरोपियों के खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट सीआइडी ने प्राप्त कर लिया है। सीआइडी के डीएसपी महेंद्र सिंह मुंडा ने मो नकीब, मो माजिद आलम, मो मुन्ना गद्दी, मो सद्दाम गद्दी, मो जमाल गद्दी, मो खालिद उमर, मो. शदाब आलम और मो अजीम उर्फ अजीमूशान का वारंट कोर्ट से ले लिया है। अब पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास करेगी। बुधवार को रांची सीजेएम (चीफ ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट) की कोर्ट ने आठ आरोपियों के खिलाफ नॉन बेलेबल वारंट जारी किया है। यह मामला डेली मार्केट थाना में दर्ज कांड संख्या 17/2022 से जुड़ा हुआ है। राज्य सरकार की अनुरक्षा के बाद सीआइडी इस केस को टेकओवर कर जांच कर रही है। अब तक इस केस में एक दर्जन से ज्यादा अभियुक्तों के खिलाफ चार्जशीट दखिल की जा चुकी है।

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, विनोद सिन्हा और अनिल वस्तावड़े इडी कोर्ट में पेश

रांची (आजाद सिपाही)। मनी लॉन्ड्रिंग केस के आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, मनोज पुनमिया, अनिल आदिनाथ वस्तावड़े समेत अन्य आरोपित गुरुवार को इडी की विशेष कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। अदालत में गुरुवार को इडी की ओर से गवाह प्रस्तुत किया जाना था, लेकिन गवाह उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 5 अगस्त को निर्धारित की है।

प्रदीप यादव की याचिका पर अब 17 को सुनवाई रांची (आजाद सिपाही)। महिला अधिवक्ता के साथ यौन शोषण करने के आरोपी कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव की किमिनल रिजिजन पर झारखंड हाइकोर्ट में न्यायाधीश जस्टिस नवनीत कुमार की कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। दोनों पक्षों के आग्रह पर कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है। प्रदीप यादव ने दुमका कोर्ट में उनके खिलाफ यौन शोषण के केस में हुए चार्जफॉर्म की प्रक्रिया को चुनौती दी है। इस केस में फिलहाल वह जमानत पर हैं।

उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के 34 सब इंस्पेक्टर और 17 असिस्टेंट इंस्पेक्टर बदले

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के 34 सब इंस्पेक्टर और 17 असिस्टेंट इंस्पेक्टर का तबादला हुआ है। इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गयी है। जारी आदेश में कहा गया है कि सभी पदाधिकारी दो दिनों के अंदर अपने नव पदस्थापित कार्यालय में योगदान देते हुए मुख्यालय को सूचित करेंगे। **उत्पाद विभाग के 34 सब इंस्पेक्टर का तबादला** : अमित कुमार गुप्ता : साहेबगंज अभिषेक आनंद : लोहरदगा निलेश सिन्हा : गोड्डा पंकज कुमार : चाइबासा दिलीप शर्मा : सिमडेगा प्रदीप करमाली : हजारीबाग सुभाष बेसरा : कोडरमा झमन कुजुर : धनबाद संदीप नाग : धनबाद नीरज कुमार : हजारीबाग कृष्ण कुमार प्रजापति : बोकारो निर्भय कुमार सिन्हा : रांची



सुप्रभात दत्ता : जमशेदपुर अभिषेक कुमार : रांची कुलदीप कुमार : रांची प्रकाश मिश्र : रांची राजीव नयन : खूंटी निर्मल मरांडी : गढ़वा मो गुरफान : बोकारो ओम प्रकाश : जमशेदपुर सन्नी विवेक तिकरी : पाकुड़ दीपिका कुमारी : बोकारो भुवनेश्वर नायक : हजारीबाग कुमार राहुल : दुमका मणिकान्त कुमार : रांची त्रिपुरारी कुमार : सराइकेला सुमितेश कुमार : हजारीबाग विक्रम कुमार साहू : जामताड़ा मनोज कुमार : देवघर कुमार सत्येंद्र : जमशेदपुर काँग्रेस कुमार : देवघर

रूपेश कुमार : रांची सोनू साहू : लातेहार श्वेता कुमारी : धनबाद 17 उत्पाद असिस्टेंट इंस्पेक्टर का भी हुआ तबादला : आशीष कुमार पांडे : चतरा मिथिलेश कुमार : देवघर महेंद्र देवगम : गिरिडीह अमित कुमार सिंह : हजारीबाग अमित मड़की : रामगढ़ जितेंद्र कुमार : पलामू लखन मुंडारी : धनबाद अमित किशोर प्रसाद : चाईबासा शिव सागर महतो : कोडरमा किशोर कुमार : देवघर मंजूर आलम अंसारी : गुमला रामदेव पासवान : जमशेदपुर प्रेम रंजन कुमार : दुमका वर्षा सिन्हा : रांची

बैंक ऑफ बड़ौदा ने मनाया अपना 116वां स्थापना दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता
भुवनेश्वर/कटक। भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, बैंक ऑफ बड़ौदा (बैंक) ने आज अपना 116वां स्थापना दिवस मनाया। बैंक के 116वें वर्ष की थीम है एसीई-सिद्धि, सहयोग, समृद्धि: भविष्य की बैंकिंग की आधारशिला का निर्माण, जो बैंक के लिए बड़े सपने देखने, उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और एक मजबूत, अधिक समृद्ध और साझा भविष्य का निर्माण करने के उद्देश्य तय करती है। बैंक की स्थापना दूरदर्शी और समाज सुधारक महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ 3 द्वारा की गई थी। 1908 में बड़ौदा के मांडवी में स्थापित की गयी पहली शाखा से, बैंक ऑफ बड़ौदा ने आज खुद को देश के दूसरे सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के रूप में स्थापित कर लिया है। 17 देशों में नेटवर्क के साथ बैंक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। बैंक



के 116वें स्थापना दिवस के मौके पर, बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री देबदत्त चांद ने कहा, बैंक ऑफ बड़ौदा का 116वां स्थापना दिवस बैंक के गौरवशाली इतिहास में एक विशेष उपलब्धि है और यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण भी है। बैंक ऑफ बड़ौदा पुराने और नए का एक अनूठा मिश्रण है। यह 115 वर्षों की समृद्ध विरासत वाला एक ऐसा बैंक है, जो नवोन्मेषिता को अपनाकर अपने ग्राहकों और अन्य प्रमुख हितधारकों

का विश्वास और संरक्षण पाने के लिए निरंतर खुद को नए सिरे से तैयार कर रहा है। आज जब हम पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गयी अपनी उपलब्धियों और मील स्तंभों पर गर्व कर रहे हैं, तो यह उपयुक्त समय है कि हम भविष्य की ओर भी देखें ताकि नए लक्ष्यों के साथ हम बैंकिंग क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर सकें। इस मौके पर, बैंक ने एमएसएमई, विज्ञान और चिकित्सा, साहित्य, समाज सेवा, उद्योग, खेल, कला और सिनेमा के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले ग्राहकों

बैंक ऑफ बड़ौदा के बारे में

20 जुलाई, 1908 को सर महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ III द्वारा स्थापित, बैंक ऑफ बड़ौदा भारत के प्रमुख वाणिज्यिक बैंकों में से एक है। 63.97% हिस्सेदारी के साथ यह प्रमुख रूप से भारत सरकार के स्वामित्व में है। बैंक पांच महाद्वीपों में 17 देशों में फैले 70,000 से अधिक टचपॉइंट के माध्यम से 150 मिलियन से अधिक के अपने वैश्विक ग्राहक आधार को सेवाएं प्रदान कर रहा है। अपने अत्याधुनिक डिजिटल बैंकिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से यह सभी बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं को निर्बाध एवं बाधा रहित तरीके से

उपलब्ध करा रहा है। हाल ही में शुरू किया गया बॉव वर्ल्ड मोबाइल ऐप ग्राहकों को एक ही ऐप के अंतर्गत बचत, निवेश, उधार एवं खरीदारी का अनुभव प्रदान कर रहा है। यह ऐप वीडियो केवाईसी के माध्यम से खाता खोलने की सुविधा उपलब्ध कराकर गैर-ग्राहकों को भी सेवा प्रदान करता है। बैंक का एडिडिओ अपने विविध ग्राहक आधार के अनुरूप है तथा यह विश्वास एवं सुरक्षा की भावना पैदा करता है। बैंक उस दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है और बॉव वर्ल्ड डिजिटल परिवर्तन की दिशा में इसके रोडमैप का एक प्रमाण है।

को सम्मानित भी किया। कटक, ओडिशा में, कटक क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री रंजीत कुमार के मार्गदर्शन में, क्षेत्रीय कार्यालय, कटक द्वारा, प्रोजेक्ट होम एंड हॉस्पिटल, नया बाजार, कटक में सीएसआर गतिविधियों का आयोजन किया

गया। इसके अलावा, कटक क्षेत्र की शाखाओं द्वारा भी, स्थापना दिवस समारोह के कार्यक्रमों के अंतर्गत, सीएसआर गतिविधियों, रंगोली और झंडा प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने अग्निशमन सेवा विभाग में 26 नये पदों को मंजूरी दी

भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक ने ओडिशा अग्निशमन सेवा विभाग में विभिन्न स्तरों पर 26 नए पदों को मंजूरी दी है। इनमें तीन स्टेशन ऑफिसर के पद, तीन लीडिंग फायरमैन और बीस फायरमैन के पद हैं। इन नए पदों के सृजन के साथ, अग्निशमन सेवा विभाग से अधिक कुशल तरीके से लोगों की सेवा करने की उम्मीद है।

द्वितीय श्रेणी कोच के पास प्लेटफार्म पर किफायती भोजन और किफायती पैकेज्ड पेयजल का प्रावधान

■ इन काउंटरों का स्थान जोनल रेलवे द्वारा तय किया जायेगा ताकि वे काउंटर प्लेटफार्म पर सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच के स्थान के पास उपलब्ध कराए जायेंगे।



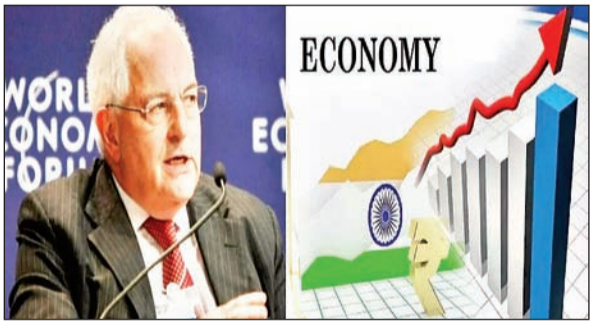
आजाद सिपाही संवाददाता
भुवनेश्वर। रेल मंत्रालय ने सेकेंड क्लास में सफर करने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी लेकर आया है। रेल मंत्रालय ने सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बों के पास प्लेटफार्मों पर स्थित उन्नत सेवा काउंटरों के माध्यम से कम लागत वाले भोजन/कॉम्बो भोजन और किफायती पैकेज्ड पेयजल सेवा की सुविधा प्रदान करने के लिए सामान्य द्वितीय श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए दिनांक 27.06.2023 के पत्र के माध्यम से निर्देश जारी किए हैं। यह सुविधा ट्रेन के सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच में उपलब्ध है और यह भोजन आईआरसीटीसी की रसोई यूनिट और जन आहार केंद्र द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा। इन काउंटरों का स्थान जोनल रेलवे

के माध्यम से सेवा लागू करें। आईआरसीटीसी जोन को यह भी सलाह दी जाती है कि वे जोनल रेलवे के साथ उचित समन्वय में इस गतिविधि को अंजाम दें। विभिन्न स्टेशनों पर विस्तारित सेवा काउंटर चालू कर दिए गए हैं स्टेशनों की सूची नीचे दी गई है। स्टेशन पर आईआरसीटीसी रसोई यूनिट पका हुआ भोजन और सार्वजनिक खानापान सेवा काउंटर प्रदान करती है। यह सेवा अब तक पूरे भारत में 64 रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध कराई गयी है, जिसमें ओडिशा के राउरकेला और झारसुगुड़ा रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं। इस सेवा को ओडिशा के खुर्दा रोड रेलवे स्टेशन समेत कई और स्टेशनों पर भी उपलब्ध कराने की योजना है। भोजन प्रकार-1: कम लागत वाले भोजन में 07 पूरी (175 ग्राम), सूखा

भारत दुनिया की एक बड़ी ताकत बनने की ओर, पश्चिमी देश सोच-समझ कर लगे रहे हैं दांव : मार्टिन वुल्फ

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से दुनिया में तेजी से एक बड़ी ताकत बनने की ओर अग्रसर है और 2050 तक इसका आकार अमेरिका के बराबर होगा। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और टिप्पणीकार मार्टिन वुल्फ ने यह बात कही है। वुल्फ ने इसके साथ ही कहा कि पश्चिमी देशों के नेता सोच-विचार कर भारत पर दांव लगा रहे हैं। वुल्फ ने द फाइनेंशियल टाइम्स में लिखे लेख में कहा कि मैं मानता हूँ कि भारत 2050 तक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि को पांच प्रतिशत या इसके आसपास बनाए रख सकता है। बेहतर नीतियों से वृद्धि इससे ऊंची भी रह सकती है। हालांकि, यह इससे कुछ कम भी रह सकती है। उन्होंने कहा कि भारत चीन प्लस उन्नत रणनीति को अपनाते वाली कंपनियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य है। बड़े घरेलू बाजार की वजह से इस मामले में अन्य प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में भारत लाभ की स्थिति में है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। क्रय शक्ति के मामले में यह तीसरी सबसे



बड़ी अर्थव्यवस्था है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2050 तक देश की जनसंख्या 1.67 अरब पर पहुंच जायेगी। अभी भारत की आबादी 1.43 अरब है। वुल्फ ने कहा कि देश के बैंकों का बहि-खाता बेहतर हो गया है। ऋण वृद्धि भी अब बेहतर आकार ले रही है। उन्होंने लिखा कि आगामी दशकों में देश की अर्थव्यवस्था और आबादी दोनों तेजी से बढ़ेगी। इससे भारत, चीन को टक्कर देगा। भारत के पश्चिमी देशों के साथ भी अच्छे संबंध हैं, जो एक अच्छी बात है। वुल्फ ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कभी प्रतिबंधित रहे रॉडर मोदी का वॉशिंगटन में गर्मजोशी से स्वागत किया। पेरिस में इमैनुएल मैक्रों ने भी भारतीय नेता को उतनी ही

गर्मजोशी से गले लगाया। यह एक ऐसे देश के साथ नजदीकी संबंधों को दर्शाता है, जो चीन के लिए शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि क्या यह पश्चिमी ताकतों का अच्छा दांव है? हां, निश्चित रूप से भारत तेजी से बढ़ती ताकत है। उनके हितों में भी सामंजस्य है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने 2023 से 2028 तक वार्षिक आर्थिक वृद्धि छह प्रतिशत से कुछ अधिक रहने का अनुमान लगाया है, जिसमें प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद इससे लगभग एक प्रतिशत अंक कम की रफ्तार से बढ़ेगा। वुल्फ ने कहा कि यदि वैश्विक या घरेलू स्तर पर कोई बड़े झटके नहीं लगते हैं, तो यह वृद्धि पिछले तीन दशक के

औसत के बराबर होगी। उन्होंने कहा कि भारत एक युवा देश है, जिसके श्रमबल की गुणवत्ता में सुधार की संभावना है, बचत की दर काफी ऊंची है और अधिक समृद्धि की व्यापक उम्मीदें हैं। वुल्फ ने कहा कि 2050 तक भारत का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (क्रय शक्ति के आधार पर) उसी स्तर पर होगा, जहां आज चीन है। वुल्फ ने यह अनुमान भारत की वार्षिक वृद्धि पर प्रतिशत तथा अमेरिका की 1.4 प्रतिशत रहने के आधार पर लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत की आबादी भी अमेरिकी की तुलना में 4.4 गुना होगी। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 2050 तक अमेरिका के समान होगा। ऐसे में पश्चिमी नेता समझावरी से भारत पर दांव लगा रहे हैं। इससे पहले भारत की यात्रा पर आए विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने बुधवार को कहा था कि घरेलू खपत की वजह से वैश्विक सुस्ती के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है। इसकी वजह यह है कि भारत का जीडीपी काफी हद तक स्थानीय मांग पर निर्भर है।

बोरिंग के लिए संपर्क करे
जल ही जीवन
993106883
9113754813
रांची के अंदर कहीं भी अच्छे रेट में
Contact for : Deep Boring,
405" 6" 8" Dia All Motor
& Pump Fitting, Building Material

Ranjeet Singh Kundan Singh Proprietor
SHIVA TRADERS
T: +91-9934189684
76673 84788
Shiva Complex, Rajender Chowk, Giridih Bypass Road Koderma (JH)825410
Mob: 9939563560, 7004525571, Email id: shivacement1212@gmail.com

FREE FRANCHISE
Just call us : 9835502908
Alpha Institute of Computer Education
Franchise Benefit
All Computer courses
Vocational courses
Authorization Letter
Authorization Certificate
Web Login ID & Password
Study Material Support
Branded Name
PDF Certificate in 24 Hrs
Hard Copy Certificate & Mark sheet
Students Placement Support
Marketing Support
Online & Offline Certificate Verification
Yearly Career Guidance - Seminar in your city
Paper and Media Support

कृष्णा ज्वेलर्स
समस्या है तो! समाधान भी है!
आचार्य प्रणव मिश्रा
प्रसिद्ध ज्योतिष रत्न गोल्डमेडलिस्ट, M.M.
(ज्योतिषविज्ञान) टॉपर 2012 एवं (P.H.D) रांची, वि. वि. रांची
गांधी चौक, सोनार गली, वीण वरत्रालय के सामने अपर बाजार, रांची

PERFECT AQUA
Commercial WATER PLANT
To purify water
9431701163
Perfect service
H.B. ROAD KOKAR RANCHI, JHARKHAND

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
Verma's Today
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—
Class - X Class - IX
English Medium English Medium

Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi - B	₹ 80	Hindi - B	₹ 80
Hindi Vyakaran-I	₹ 120	Hindi Vyakaran-II	₹ 120
English Grammar-I	₹ 120	English Grammar-II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran-II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran-I	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75